Wrong Telephone Calls

*285. DR. BHAI MAHAVIR:!
SHRI SHRIDHAR WASUDEO DHABE:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether any steps are being taken to give relief to telephone subscribers on account of wrong connections and also for the periods when their telephones remained dead; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI VIJAY N. PATIL): (a) and (b) It is not possible to segregate the calls which result in wrong connections from the total calls registered in the subscriber's meter and hence no relief is possible on this account.

श्री गुरुदेव गुप्त : मान्यवर, दिल्ली में भूमिगत केबल प्रणाली में सुधार करने का एक विवरण दिया गया है । इस बाबत में माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि कितने जंकशंस ऐसे हैं जिन के केबल्स की अवधि समाप्त हो गई है और वे बेकार हो चुके हैं । तथा बदले जाने हैं किन्तु किसी कारणवश वे बदले नहीं जा सके हैं जिससे टेलीफोन व्यवस्था अव्यवस्थित रही है ?

श्री विजय एन० पाटिल : चेयरमैन सर, जो सवाल पूछा गया है वह मार्च महीने के शुरू में जो फाल्ट्स साऊथ एवन्यू की पहुंच में हुए उसके संबंध में हैं और टोटल नंबर आफ जंकशंस जिनके बारे में रिप्लेसमेंज की जरूरत है, वह मालूमात देने के वास्ते मुझे नोटिस चाहिये ।

fThe question was actually asked on the floor of the House by Dr. Bhai Mahavir.

श्री गुरुदेव गुप्त : मान्यवर, अभी मंत्री महोदय ने विवरण में बताया कि इन जंकशंस और स्टेशंस में क्या क्या कदम सुधार लाने के लिए उठा रहे हैं और उसकी जानकारी आप के पास होनी चाहिये कि कितने जंकशंस और केबल ऐसे हैं जो खराब हो रहे हैं और बदले जाने की हालत में हैं किंतु बदले नहीं जा रहे हैं ।

WELCOME TO THE YUGOSLAV PARLIAMENTARY DELEGATION

MR. CHAIRMAN: I have a very pleasant announcement' to make.

We have with us this morning Members of the Yugoslav Parliamentary Delegation which is *on* a visit to India from the 15th to 20th March, 1982, under the distinguished leadership of H E. Mr. Dragoslav Markovic, President of the Federal Assembly oi the Socialist Federal Republic of Yugoslavia. The other Members of the Delegation are Mr. Predvag Gligoric, M.P., Mr. Luka Knezevic, M.P., Mr. Moric Romano, M.P. and Mr. Dragutin Sebrek, M.P. The Members of the Delegation are now seated in the Special Box.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf I take pleasure in extending a very hearty welcome to the Leader and other Members of the Delegation and wish our distinguished guests a very enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that by the time they leave us they would have seen and learnt more about our country and our people. Through them, we con-

vey our greetings and best wishes to the Federal Assembly and the friendly people of the Socialist Federal Republic of Yugoslavia.

ORAL ANSWERS IO QUESTIONS

श्री गुरुदेव गुप्त : मान्यवर, मंत्री महोदय ने अभी बताया कि यह प्रश्न के अंतर्गत नहीं आता है । मेरा प्रश्न था, और मैं आपके माध्यम से उन से यह कहना चाहता हूं कि जब असाधारण वर्षा के कारण ये केबल्स खराब हुए थे तो उन्होंने इस बात की तो जांच कराई होगी, अथवा उन को पहले भी उस बात की सूचना होनी चाहिये थी, कि कितने जंक्शंस स्टेशंस के केबल्स ऐसे हैं जो कि अपनी अवधि समाप्त कर चुके हैं और वह बेकार हो चुके हैं, बेकार हो गए हैं, काम करने लायक नहीं रह गए हैं और बदले जाने हैं, लेकिन किसी कारणवश वे बदले नहीं जा सके हैं जिसकी वजह से टेलीफोन व्यवस्था अव्यवस्थित रहती है ?

श्री विजय एन० पाटिल : मान्यवर, जहां तक रिप्लेसमेंट का सवाल है, 47 किलोमीटर्स केबल इस वक्त रिप्लेस करने की जरूरत है उसमें से 31 किलोमीटर्स 1982 तक रिप्लेस करने हैं जो कि 11.6 किलोमीटर तक रिप्लेस कर दिए हैं । लेकिन ग्रैस प्रेशराइजेशन आफ जंक्शन, प्राइमरी एण्ड सेंकेंडरी केबल 2400 किलोमीटर तक करना है, उस में से 200 किलोमीटर कर दिया है । आफ डक्टिंग का 34 किलोमीटर्स तक का टार्गेट है । उस में से करीब करीब 3 किलोमीटर डक्टिंग हो चुका है नये जो केबल्स डाल रहे हैं, एशियाड के वास्ते जो काम हो रहा है उसमें डक्टिंग शुरु से किया जा रहा है।

श्री गुरुदेव गुप्त : मान्यवर, दिल्ली की टेलीफोन व्यवस्था के बारे में एक गंभीर शिकायत बहुत दिन से चली आ रही है । इस सदन में भी उसके बारे में ध्यान आकर्षित किया जा चुका है, लेकिन अभी तक वह दूर नहीं हो सकी है और वह है ओवर-बिलिंग की । न केवल इससे जनता ही परेशान है बल्कि सांसद लोग भी परेशान हैं चाहे इस सदन के हों, चाहे लोक सभा के । उनमें से अधिकांश लोग ऐसे हैं कि जिनके बिलों में न केवल दुगुने, तिगुने बल्कि 5 गुने और 10 गुने तक ओवर बिलिंग होती है । उसके बाद मंत्री महोदय को रिप्रेजन्टेशन दिया जाता है तो कोई सुनवाई भी की जाती है तो कहा जाता है कि मीटर टैस्ट पर रखा गया था, वह ठीक है । यहां तक कि नान-सेशन डेज में भी इतने ज्यादा बिल आ जाते हैं कि कोई इंतिहा नहीं है । तो इस तरह की गलत बिलिंग न की जाए, उस पर निगरानी रखने के लिए मंत्री महोदय क्या कदम उठा रहे हैं ?

श्री विजय एन० पाटिल : पहले तो गलत बिलिंग के बारे में कंप्लैन्ट आती है तो यह इंस्ट्रक्शन दी जाती है कि मीटर की जल्दी जांच हो और अंतरिम पीरियड में पिछले तीन क्वार्टर का ऐवरेज बिल लगाकर उनके फोन को चालू रखा जाता है । उसके बाद चैकिंग के बाद यदि मीटर में फाल्ट है तो उसमें वह रिबेट दिया जाता है । अगर उसमें फाल्ट नोटिस में नहीं आता है तो सांसद हों या दूसरे सब्सक्राइबर हों उनको बता दिया जाता है ।

दूसरी बात यह है कि मुझे यह कहना नहीं चाहिये लेकिन—जब भी सैशन नहीं होता है अगर कोई घर घुला है तो दोस्त या दूसरे लोग एस० टी०